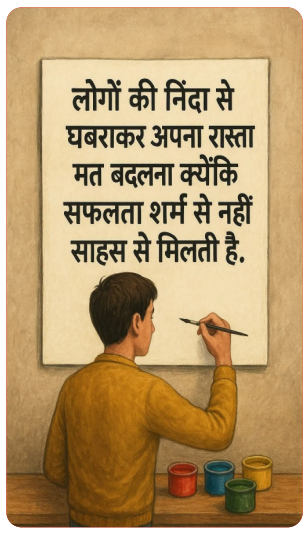

अमरोहा जनपद का गौरवशाली प्रकाशन

स्थापना वर्ष :1982

RNI No. : UPHIN/2008/27335

दैनिक आर्यावर्त केसरी

वर्ष : 16 | अंक : 236 | अमरोहा | दिनांक : 11 सितम्बर 2025 | दिवस : गुरूवार | पृष्ठ : 6 | मूल्य : 2 रूपया

नेपाल के बाद अब फ्रांस की सड़कों पर भयानक हिंसा

राष्ट्रपति मैक्रों के विरोध में उतरे सैकड़ों लोग

एजेंसी समाचार

पेरिस: नेपाल के बाद अब फ्रांस की सड़कों पर भयानक विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के खिलाफ में फ्रांस की सड़कों पर सैकड़ों लोगों की भीड़ उतर आई है। गुस्साई भीड़ ने हिंसा, आगजनी और तोड़फोड़ शुरू कर दिया। फ्रांस में यह हिंसा तब फैली जब मैक्रों ने देश में नए प्रधानमंत्री का ऐलान किया। इससे भारी बवाल मच गया।

फ्रांस के आंतरिक मंत्री ने बताया कि देशभर में नियोजित विरोध प्रदर्शन के पहले ही कुछ घंटों में लगभग 200 गिरफ्तारियां की गईं। प्रदर्शनकारियों ने बुधवार को पेरिस और फ्रांस के अन्य हिस्सों में सड़कों को जाम कर किया और भयानक आगजनी की। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले दागे। वे राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों पर दबाव डालने की कोशिश कर रहे थे। ताकि उनके द्वारा नियुक्त नए प्रधानमंत्री को ह्लआग का तोहफाह्व दिया जा सके।

एक प्रदर्शनकारी ने पास दीवार पर लिखा, मैक्रों और तुम्हारी दुनिया...दफा हो जाओ! यह विरोध आंदोलन के तहत हो रहा है। "सब कुछ बंद करो।" फ्रांस में हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। जबकि सड़कों पर भारी पुलिस बल तैनात है।

फ्रांस की सड़कों पर कम से कम 80 हजार पुलिस बल तैनात हैं। इसके बावजूद आंदोलन में भारी उथल-पुथल है। हालांकि यह आंदोलन अपने घोषित लक्ष्य "सब कुछ बंद करो" को पूरी तरह हासिल नहीं कर पाया। पहले यह आंदोलन ऑनलाइन शुरू हुआ और तेजी से फैल गया। इसने देशभर में भारी अव्यवस्था पैदा की और 80,000 पुलिसकर्मियों की असाधारण तैनाती को भी चुनौती दी। भीड़ ने कई जगह बैरिकेड हटा दिए। इसके बाद पुलिस ने तेजी से गिरफ्तारियां कीं।

फ्रांस के आंतरिक मंत्री ब्रूनो रेटैलो ने बताया कि पश्चिमी शहर रेन (फील्लल्ली२) में एक बस को आग के हवाले कर दिया गया और दक्षिण-पश्चिम में एक पावर लाइन को नुकसान पहुंचाया। इसके बाद ट्रेनें ठह हो गईं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारी "विद्रोह का माहौल" बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

बुधवार सुबह पेरिस में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पें हुईं। इस दौरान कई कचरे के डिब्बों में आग लगा दी गई।

सरकार द्वारा "ब्लॉक एवरीथिंग" अभियान के तहत देशभर में 80,000 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति मैक्रों के नेतृत्व और सख्त आर्थिक नीतियों से नाराज हैं और देशभर में गतिविधियां बाधित करने की योजना बना रहे हैं। पेरिस पुलिस प्रीफेक्चर ने बताया कि सुबह 9 बजे तक 75 लोगों को हिरासत में लिया जा चुका था, और दिनभर में प्रदर्शन और रोड ब्लॉक जारी रहने की आशंका है।

प्रधानमंत्री फ्रांस्वा बेयरू को संसद में विश्वास मत हारने के बाद पद से हटा दिया गया और उनकी जगह मंगलवार को सेबास्टियन लेकोर्नू को प्रधानमंत्री बनाया गया। इसके दो दिन बाद ही हजारों प्रदर्शनकारियों ने सोशल मीडिया पर आह्वान करने के बाद देशभर में आंदोलन शुरू कर दिया।

"ब्लोकों तू" आंदोलन गर्मियों के दौरान सोशल मीडिया और एन्क्रिप्टेड चैट्स में बिना किसी स्पष्ट नेतृत्व के वायरल रूप से फैल गया। इसकी मांगों की सूची लंबी है, जिनमें से कई पूर्व प्रधानमंत्री बेयरू द्वारा पेश किए गए सख्त बजट प्रस्तावों के विरोध में हैं, साथ ही आर्थिक असमानता को लेकर भी नाराजगी है। बुधवार के लिए हड़तालों, बहिष्कारों, रोड ब्लॉक और अन्य विरोध प्रदर्शनों का ऑनलाइन आह्वान किया गया था, जिसमें हिंसा से बचने की भी अपील की गई थी।

"ब्लॉक एवरीथिंग" आंदोलन की अचानक और व्यापक प्रतिक्रिया ने 2018 के 'येलो वेस्ट' आंदोलन की याद दिला दी। उस समय ईंधन करों में वृद्धि के विरोध में कामगार ट्रैफिक सर्कलों में डेरा डालकर विरोध कर रहे थे और उन्होंने हाई-विजिबिलिटी जैकेट पहनी हुई थी। यह आंदोलन जल्दी ही राजनीतिक, सामाजिक, क्षेत्रीय और पीढ़ीगत विभाजनों को पार कर गया और आर्थिक अन्याय व मैक्रों के नेतृत्व के खिलाफ राष्ट्रीय आक्रोश का रूप ले लिया। एजेंसी

कलर विज़िटिंग कार्ड छपवाएं
रू. 400/- में 1000
फोटो युक्त आकर्षक रंगीन
विज़िटिंग कार्ड

आर्यावर्त प्रिन्टर्स

हर प्रकार की छपाई की उत्तम सुविधा उपलब्ध है

स्कूल-कॉलेजों के हर प्रकार के फीस कार्ड, रसीद बुक, रिजल्ट कार्ड, कलर लैटर हैड, लिफाफे, कलर कार्ड, कॉलेज पत्रिका आदि के छापने की है उत्तम व्यवस्था

कृपया शीघ्र सम्पर्क करें-

आर्यावर्त प्रिन्टर्स, सौम्या सदन, गोकुल विहार (बेरियान), अमरोहा-244221
Mob. : 9412139333. 8755268578, E-mail : aryawartkesari@gmail.com

bhm Digital Solution
Designing ♦ Web ♦ Account ♦ Online
PLOT NO. 10 BEHIND APEX HOSPITAL, MADHO NAGAR, KAILASHPURI, NEAR NAUCHANDI GROUND, MEERUT

साप्ताहिक समाचार पत्र डिजाइन करवाये लेटेस्ट क्वार्क, इन डिजाइन सॉफ्टवेयर और अमेरिकन स्पेशल सॉफ्टवेयर पेस्टरोलर में सम्पर्क करें

8534025193

Colour and Black & White Offset Printing Service also Available

सम्पादकीय

नेपाल में जनाक्रोश: सोशल मीडिया से राजतंत्र तक

नेपाल, जो दक्षिण एशिया का एक छोटा लेकिन भू-राजनीतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण देश है, एक बार फिर से राजनीतिक उथल-पुथल और सामाजिक आंदोलनों के केंद्र में है। हाल के महीनों में दो प्रमुख आंदोलनों ने पूरे देश की दिशा और दशा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक ओर युवा पीढ़ी सोशल मीडिया प्रतिबंध के खिलाफ सड़कों पर उतर आई, तो दूसरी ओर जनसमुदाय का एक हिस्सा राजतंत्र की वापसी की मांग करता हुआ दिखाई दिया। इन दोनों आंदोलनों की प्रकृति भले ही अलग-अलग हो, लेकिन इनके मूल में जनता का गहरा असंतोष, निराशा और व्यवस्था से मोहभंग छिपा हुआ है। नेपाल का राजनीतिक इतिहास लगातार अस्थिरता और परिवर्तन से भरा हुआ है। लंबे समय तक राजशाही का शासन रहा। फिर 1990 के दशक में प्रजातांत्रिक संविधान आया, जिसने लोकतंत्र की ओर कदम बढ़ाए। इसके बाद 2008 में नेपाल औपचारिक रूप से ह्लसंघीय लोकतांत्रिक गणराज्यह्व घोषित हुआ और सदियों पुराना

राजतंत्र समाप्त कर दिया गया। लेकिन बीते डेढ़ दशक में जनता ने देखा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था बार-बार अस्थिर होती रही। सरकारें गिरती-बनती रहीं, भ्रष्टाचार बढ़ा, और राजनीतिक दलों की खींचतान से नीतियाँ ठप पड़ीं। यही पृष्ठभूमि आज के आंदोलनों को जन्म देती है। हाल ही में नेपाल सरकार ने अचानक एक कठोर कदम उठाया। उसने फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, व्हाट्सएप और एक्स (पूर्व ट्विटर) समेत 26 लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को ह्लअवैधह्व घोषित कर दिया। तर्क यह दिया गया कि ये प्लेटफॉर्म्स समाज में ह्लअराजकताह्व और ह्लभ्रामक प्रचारह्व फैला रहे हैं, और सुरक्षा व्यवस्था के लिए खतरा बन चुके हैं। इस निर्णय ने खासतौर पर युवाओं को झकझोर दिया। नेपाल का युवा वर्ग, जिसे आमतौर पर ह्लजीईएन जेडह्लह्ल कहा जाता है, सोशल मीडिया को न केवल मनोरंजन बल्कि शिक्षा, रोजगार और अभिव्यक्ति का साधन मानता है। ऐसे में यह प्रतिबंध उनकी आजादी छीनने जैसा लगा। हजारों छात्र और युवा सड़कों पर उतर आए। काठमांडू और अन्य शहरों में प्रदर्शन शुरू हुए, जिनमें नारे गूंजे ह्लअभिव्यक्ति हमारी ताकत हैह्व, ह्लइंटरनेट हमारी आजादी है ह्व प्रदर्शन जल्दी ही उग्र हो गए। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं। आँसू गैस, लाठीचार्ज और गोलीबारी में 19 से अधिक लोगों की मौत हो गई, सैकड़ों घायल हुए। स्थिति इतनी बिगड़ी कि सरकार को प्रतिबंध वापस लेना पड़ा। यहीं नहीं, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को इस्तीफा देना पड़ा। इसने यह साफ कर दिया कि नेपाल का युवा अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि राजनीति का सक्रिय खिलाड़ी है। सोशल मीडिया आंदोलन से पहले, मार्च-अप्रैल 2025 में नेपाल ने एक अलग किस्म का विरोध देखा। हजारों नागरिक सड़कों पर उतरे और उन्होंने खुले तौर पर राजतंत्र की बहाली की मांग की। लोगों का कहना था कि मौजूदा लोकतांत्रिक व्यवस्था ने उन्हें सिर्फ अस्थिरता, महंगाई और भ्रष्टाचार दिया है। राजतंत्र के समय, उनके अनुसार, व्यवस्था बेहतर थी और राष्ट्रीय गौरव बरकरार था। इन प्रदर्शनों में भी हिंसा हुई। कई लोग मारे गए, सैकड़ों घायल हुए, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुँचा। कई शहरों में कर्फ्यू लगाना पड़ा। यह आंदोलन नेपाल की राजनीति के लिए गहरी चुनौती है। यह बताता है कि जनता का एक हिस्सा लोकतंत्र से इतना निराश हो चुका है कि वह राजतंत्र जैसी पुरानी व्यवस्था की ओर देखने लगा है। नेपाल में प्रदर्शनों के पीछे केवल एक-दो तात्कालिक कारण नहीं हैं, बल्कि लंबे समय से जमा असंतोष है। बेरोजगारी, महंगाई और विदेशी निवेश की कमी ने जनता का जीवन कठिन बना दिया है। राजनीतिक दलों और नेताओं पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं। बार-बार सरकारें गिरना और गठबंधन बदलना, जिससे नीतियाँ अधूरी रह जाती हैं। शिक्षा पूरी करने के बाद भी रोजगार नहीं और बाहर पलायन ही विकल्प। सोशल मीडिया पर पाबंदी ने इस निराशा को गुस्से में बदल दिया। नेपाल सिर्फ आंतरिक राजनीति का मामला नहीं है। यह देश भारत और चीन जैसे दो महाशक्तियों के बीच स्थित है। यहाँ अस्थिरता का असर सीधे पड़ोसी देशों पर पड़ता है। भारत नेपाल की अस्थिरता सीमा-पार सुरक्षा और व्यापार को प्रभावित कर सकती है। चीन नेपाल को अपने प्रभाव क्षेत्र में बनाए रखने की कोशिश करता है। सोशल मीडिया पर सेंसरशिप के कदम को लेकर अंतरराष्ट्रीय संगठनों ने नेपाल की आलोचना की। दोनों आंदोलनों की प्रकृति अलग है, लेकिन दोनों में एक समान धारा बहती है जनता का असंतोष। युवाओं का आंदोलन आधुनिक, डिजिटल अधिकारों और आजादी से जुड़ा है। राजतंत्र समर्थक आंदोलन परंपरा, स्थिरता और व्यवस्था की तलाश का प्रतीक है। दोनों मिलकर यह संदेश देते हैं कि जनता अब बदलाव चाहती है, चाहे वह नया रास्ता लोकतांत्रिक सुधार हो या फिर पुराने राजतंत्र की ओर वापसी। नेपाल के सामने अब एक गंभीर प्रश्न है क्या लोकतंत्र जनता की उम्मीदों को पूरा कर पाएगा या फिर जनता राजतंत्र की ओर लौटने के लिए तैयार हो जाएगी इस प्रश्न का उत्तर आसान नहीं है। लेकिन एक बात स्पष्ट है नेपाल के लिए स्थायी समाधान केवल लोकतांत्रिक सुधारों में है। जनता की भागीदारी, पारदर्शिता और सुशासन के बिना न तो लोकतंत्र टिक पाएगा और न ही राजतंत्र लौटने पर स्थिर रह पाएगा। नेपाल में हाल के आंदोलनों ने यह साबित कर दिया है कि जनता अब चुप रहने को तैयार नहीं है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और राजनीतिक स्थिरता दोनों ही उनकी प्राथमिक मांगें हैं। सोशल मीडिया पर पाबंदी ने युवाओं के गुस्से को भड़काया, जबकि भ्रष्टाचार और राजनीतिक अस्थिरता ने राजतंत्र की मांग को जन्म दिया। यह केवल राजनीतिक विमर्श नहीं, बल्कि नेपाल के भविष्य की दिशा तय करने वाला संघर्ष है। आज नेपाल जिस मोड़ पर खड़ा है, वहाँ से उसकी यात्रा केवल दो ही रास्तों पर जा सकती है-या तो लोकतंत्र को पारदर्शी और जवाबदेह बनाना, या फिर राजतंत्र जैसी व्यवस्था की ओर लौट जाना। सवाल यह है कि क्या नेपाल का नेतृत्व जनता की वास्तविक आकांक्षाओं को समझ पाएगा

अतिथि सम्पादकीय : राजेन्द्र सिंह
रिसर्च स्कॉलर।

आधुनिक विश्व के सबसे बड़े कूट नीतिज्ञ, अर्थशास्त्री आचार्य चाणक्य के मूल ग्रंथ "चाणक्य नीति दर्पण:" का हिंदी अनुवाद मूर्धन्य वैदिक विद्वान स्वामी जगदीश्वरानंद सरस्वती जी ने किया है तथा इसका प्रकाशन गोविंद राम हासानंद दिल्ली ने किया।अपने अनुवाद की प्रस्तावना में स्वामी जी महाराज ने उद्धृत किया कि इस ग्रंथ का नामकरण आचार्य जी ने "राजनीति समुच्चय:" किया था जो भविष्य में "चाणक्य नीति दर्पण" के रूप में प्रसिद्ध हुआ। वर्तमान में विश्व परिवेश में जो कूटनैतिक चालें चली जा रही हैं तथा भारत जिनका सामना कर रहा है, उनको दृष्टिगत रखते हुए मुझे लगा कि इस ग्रंथ के सरल और सहज अनुवाद से दैनिक आर्यावर्त केसरी के पाठकों को परिचित कराना प्रासंगिक होगा तथा इसके लिए दिनांक ९ सितंबर २०२५ के अंक से "चाणक्य नीति दर्पण" के रूप में एक स्तंभ का प्रकाशन आरंभ किया गया है जिसमें प्रयास रहेगा कि अनवरत रूप से न्यूनतम एक श्लोक आपकेअवलोकनार्थ प्रस्तुत किया जा सके। आपकेआशीर्वाद की प्रतीक्षा में।

विद्वानों काअनुचर :
बृजेंद्र सिंह वत्स साहित्य संपादक

चाणक्यनीतिदर्पण:

अर्थात् राजनीतिसमुच्चय: अथ प्रथमोऽध्याय:

(गतांक से आगे)

मूर्ख शिष्योपदेशेन दुष्टस्त्रीभरणेन च ।
'दु:खितै: सम्प्रयोगेण पण्डितोऽप्यवसीदति ॥४॥

= शब्दार्थ - मूर्ख शिष्य - उपदेशेन मूर्ख - बुद्धिहीन शिष्य को पढ़ाने से अथवा धर्मसम्बन्धी उपदेश करने से च और दुष्टस्त्रीभरणेन, व्यभिचारिणी, कटु, कर्कश और कठोर बोलनेवाली स्त्री का पालन-पोषण करने से दु:खितै: नाना प्रकार के रोगों से पीड़ित, प्रियजनों के वियोग अथवा धननाश आदि के कारण दु:खित लोगों के साथ सम्प्रयोगेण व्यवहार करने से पण्डित: पण्डित, बुद्धिमान् मनुष्य अपि भी श्रवसीदति दु:खी होता है, कष्ट उठाता है ।

भावार्थ - मूर्खशिष्य को पढ़ाने से, दुष्टस्त्री का भरण-पोषण करने से और दु:खीजनों के साथ व्यवहार करने से बुद्धिमान मनुष्य भी दु:ख उठाता है ।

दुष्टा भार्या शठं मित्रं भृत्यश्चोत्तरदायक: ।
ससर्पे च गृहे वासो मृत्युरेव न संशय: ॥ ५ ॥

शब्दार्थ - दुष्टा कटु बोलनेवाली और दुराचारिणी भार्या स्त्री, पत्नी शठम् धूर्त मित्रम् मित्र च तथा उत्तरदायक: उत्तर देनेवाला, सामने बोलनेवाला भृत्य: नौकर च और ससर्पे जहाँ साँप रहता हो ऐसे, सर्पवाले गृहे घर में वास: निवास झ्र ये बातें मृत्यु: मौत, मृत्यु के समान एव ही हैं संशय: न इस विषय में तनिक भी सन्देह नहीं है । -

भावार्थ - कटुभाषिणी और दुराचारिणी स्त्री, धूर्त स्वभाववाला मित्र, उत्तर देनेवाला नौकर और सर्पवाले घर में रहना - ये सब बातें मृत्युस्वरूप ही हैं, इसमें कोई सन्देह नहीं है ।

आपदर्थे धनं रक्षेद् दारान् रक्षेद्धनैरपि ।
आत्मानं सततं रक्षेद् दारैरपि धनैरपि ॥ ६ ॥

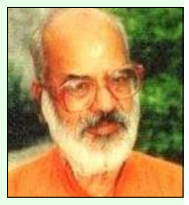

शब्दार्थ - आपदर्थे आपत्तिकाल के लिए धनम् धन की रक्षेत् रक्षा करे धनै: धन से अपि अधिक दारान् स्त्री की रक्षेत रक्षा करे और सततम् सदा दारै: अपि स्त्री से भी तथा धनै: अपि धन से भी अधिक आत्मानम् अपने आत्मा की,
अपनी रक्षेत् रक्षा करनी चाहिए ।

भावार्थ- बुद्धिमान् मनुष्य को चाहिए कि आपत्तिकाल के लिए धन का संग्रह और उसकी रक्षा करे। धन से भी अधिक पत्नी की रक्षा करनी चाहिए। परन्तु धन और स्त्री से भी अधिक अपनी रक्षा करनी चाहिए, क्योंकि अपना ही नाश हो जाने पर धन और स्त्री का क्या प्रयोजन

अनुवादक - स्वामी जगदीश्वरानंद सरस्वती महाराज।

(शेष अगले अंक में)

लघु कथा

फटा ब्लाउज ...

"माँ देखो, ये साड़ी कैसी है ।" राहुल ने अपनी पत्नी अंजलि की नई साड़ी दिखाते हुए कहा ।

"अच्छी है बेटा । जा दे दे उसको । पति को अपनी पत्नी का ध्यान रखना चाहिए ।" माँ ने कहा ।

"ठीक है माँ" कहकर राहुल जैसे ही कमरे से बाहर निकला उसका सिर रस्सी पर सूखते हुए वस्त्र से उलझ कर जमीन पर गिर गया । " माँ कपड़े थोड़ा साइड में सुखाया करो न ।" राहुल ने झल्लाकर कर कहा ।

माँ खाँसती हुई गिरे हुए वस्त्र को उठाने के लिए उठी
तो राहुल ने कहा "रहने दो माँ मैं टाँग देता हूँ ।"

राहुल ने वो फटा हुआ वस्त्र उठा कर रस्सी पर डाला और अंजली की साड़ी उठा कर अपने कमरे में चला गया ।

माँ देखती रह गई । बेटे को पत्नी की साड़ी याद रही पर रस्सी पर टंगा माँ का फटा ब्लाउज नजर नहीं
आया ।

सुशील कुमार,
जयपुर, राजस्थान।

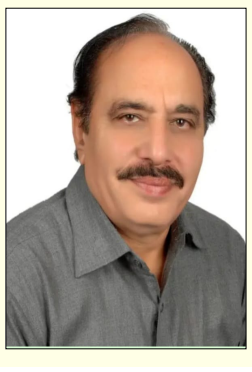

दोहे

केवल मन का वहम है,पितृ पक्ष का दान!
किसके घर लौटा भला,भस्मि भूत इंसान!!

जीवित पुरखों का नहीं, किया सतत सम्मान!
बोलोअब किस काम के,सारे विधी विधान!!

पंडितजी को दे रहे,ठेला भर सामान!
लाकर देना पावती,यथा शीघ्र श्री मान!!

स्वर्ग-नर्क कुछ भी नहीं, है कोरा अज्ञान!
मानव पहुँचा चाँद पर, तू सोया नादान!!

अकर्मण्यता का नहीं,हुआ किसी को भान!
पंडा मोटा पेट भर, सोवे चादर तान!!

कटी जेब यजमान की,बिखर गया सामान!
तर्पण-अर्पण में लुटा,भ्रमीभूत इंसान!!

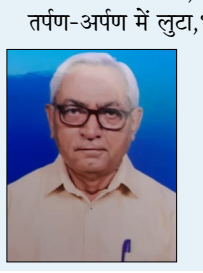

वीरेन्द्र सिंह
"ब्रजवासी",
मुरादाबाद।

गजल

.....

वक्त पड़ा तो अमन के खातिर खूँ देंगे, जान देंगे,
आने वाली पीढ़ी को प्यार का हिन्दुस्तान देंगे ।

मंदिर, मसजिद, गुरुद्वारे, गिरजाघरों मे वो ही है,
गीता, बाईबिल, गुरू ग्रंथ साहिब साथ मे कुरान देंगे ।

कथनी, करनी मे भेद न हो, चादर मे अपनी छेद न हो,
नफरत को कोई जगह नही, प्यार को दिल का मकान देंगे

भगत सिंह, अशफाक की गाथा नही मिटने देंगे,
गाँधी के सपनो का वो बचचों को गौरव गान देंगे ।

"आमोद" चाँद और तारों का, फूलों की बहारों का,
साँध्य गगन की अरुणा का दुल्हन को परिधान देंगे ।

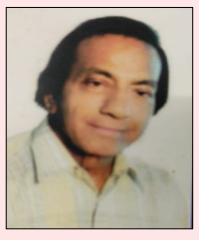

आमोद कुमार,
दिल्ली ।

भावों के दर्पण से

शिक्षकों और साक्षरता के महत्व को दशार्या गया

मान्यवर,

दैनिक आर्यावर्त केसरी के 8 सितंबर 2025 के अंक में साप्ताहिक स्तंभ 'साप्ताहिकी' पूर्ण रूपेण भारत के गुरुओं को समर्पित रही।'साप्ताहिकी' एक बहु प्रतीक्षित स्तंभ बन चुका है। आज के इस अंक की भूमिका में दिनांक 5 सितंबर 2025 के अंक में प्रकाशित श्रीमती सीमा रानी के लेख 'वे विदेश पढ़ने नहीं पढ़ाने गए', का उल्लेख किया गया है और इस प्रकार इस 'साप्ताहिकी' को शिक्षक दिवस तथा डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के व्यक्तित्व के साथ जोड़ने का सफल प्रयास किया गया है। साहित्य संपादक श्री वत्स जी की भूमिका को पढ़ने से ही स्पष्ट हो जाता है कि इस बार का अंक किस ओर जाने वाला है। मैं भी बहन सीमा रानी के लेख से बहुत प्रभावित हुई हूं।अपने लेख में उन्होंने डॉक्टर राधाकृष्णन के विहंगम व्यक्तित्व के दर्शन कराए हैं और आज की 'साप्ताहिकी' में रचनाकारों ने जीवन में शिक्षा और गुरु के महत्व को आकर्षक रूप में रेखांकित करने का प्रयास किया है। यह एक सत्य विचारधारा है कि साहित्य सदा से ही समाज का दर्पण माना गया है तथा जब विषय शिक्षक और शिक्षा का हो, तो रचनाओं का महत्व और भी गहरा हो जाता है।निस्संदेह 8 सितंबर को प्रकाशित होने वाली 'साप्ताहिकी' में प्रकाशित रचना कारो की कविताओं ने यह सिद्ध कर दिया है कि शिक्षा और साक्षरता का संदेश कितनी शक्ति से जनमानस तक पहुंचता है।

डींग राजस्थान के श्री सोहनलाल शर्मा 'प्रेम' की वीणा वंदना से आरंभ हुई इस यात्रा का प्रथम पड़ाव रचना वानिया के गीत रहा। वरिष्ठ कवि आदरणीय ओंकार सिंह 'ओंकार' की सजल का एक अलग ही महत्व है, तो छत्तीसगढ़ दुर्ग की उषा पटेल ने शिक्षक को सत्य ही राष्ट्र निमार्ता बताया है। अपनी रचना 'अध्यापक का भाल'
में उपदेश शंखधार ने एक अध्यापक से समाज की अपेक्षा को उजागर कर दिया है। मेरठ की श्रीमती सीमा शर्मा ने भी अपने सुंदर उधर प्रकट किए हैं तो डॉ राजेश श्रीवास्तव 'राज' ने कहा कि सर्व ज्ञान से गढता सबको कंचन सा तपाया करते हैं ' कहकर विषय को पूर्णता प्रदान कर दी है, किंतु स्मृति शेष शिव अवतार सरस की 'अभिनव मधुशाला' का उल्लेख न किया जाए तो कुछ अधूरा ही रहेगा। मैं उनके अध्यापक धर्म से व्यक्तिगत रूप से परिचित हूं। मेरे शिक्षक भाइयों के वरिष्ठ साथी रहे हैं वे। एक शिष्य के जीवन पर एक शिक्षक का क्या प्रभाव पड़ता है वह 'अभिनव मधुशाला' को धारावाहिक रूप से प्रकाशित करने वाले श्री वत्स जी के जीवन को देखकर पता चलता है। भाई वत्स जी भूमिका में सही कहते हैं कि अभिनव मधुशाला एक सामाजिक आंदोलन ही है। कुल मिला कर यह कहना असंगत नहीं होगा कि इन कवियों ने अपनी रचनाओं में शिक्षक को केवल कक्षाओं तक सीमित नहीं रखा है, बल्कि उसे युग दृष्टा, मार्गदर्शक, और राष्ट्र निमार्ता के रूप में चित्रित किया है! उनकी लेखनी में संवेदना भी है, ओज भी है, प्रेरणा भी है। जिस भाव समृद्धि और गहनता के साथ शिक्षकों की महत्ता और तथा साक्षरता का मूल्य चित्रित हुआ है वह वास्तव में अद्वितीय है। यह साहित्यिक और विचारशील मंच है जहां शिक्षा, शिक्षक, वाणी और प्रकृति की महिमा वर्णित है। इनका उद्देश्य समाज में शिक्षकों और साक्षरता के महत्व को स्थापित करके पाठकों को प्रेरणा देना कि शिक्षा ही विकास और प्रगति का मूल है! रचनाओं से यह बात स्पष्ट होती है कि साक्षरता समाज को अज्ञान, अंधविश्वास और कुरीतियों से मुक्त करती है।व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती है और सामाजिक समानता की राह खोलती है। रचनाएं प्रेरणा दाई और ओज पूर्ण होने के साथ-साथ भावनाओं का तर्क और संदेश का सुंदर संतुलन हैं! पाठक पर इसका गहरा प्रभाव पड़ता है। यह हमें आत्म मंथन करने पर विवश करती हैं। हम शिक्षा और शिक्षक दोनों के महत्व को कितनी गंभीरता से स्वीकार कर रहे हैं।
साहित्य संपादक श्री बृजेंद्र सिंह वत्स जी ने इन रचनाओं को एक सूत्र में पिरोकर पाठकों तक पहुंचाया है।इन्होंने संवेदनशील दृष्टि से रचनाओं का चयन किया है! यह केवल संपादन नहीं बल्कि एक सांस्कृतिक- शैक्षिक सेवा है। उन्होंने रचनाकारों की भावनाओं को पाठकों तक उसी भावना और आदर और गरिमा के साथ पहुंचाया है जैसे कोई पुजारी दीपों की आरती सजाता है।
मेरे विचार में इन रचनाओं से पाठक यह अनुभव करता है कि शिक्षक केवल आजीविका का साधन नहीं बल्कि देश को गढने का एक माध्यम है। वह साक्षरता की वह कुंजी है जो जीवन की सभी राहें खोल देती है। यहां कवियों ने यह स्पष्ट कर दिया कि शिक्षा के बिना समाज प्रगति नहीं कर सकता और शिक्षक के बिना शिक्षा अधूरी है!
शिक्षक दीप है शिक्षा उसकी ज्योति और कवि वह साधक है जो इस ज्योति को जन- जन तक पहुंचाता है!

श्रीमती मुकुल शर्मा
गाजियाबाद

सार्थक जीवन के लिए जरूरी टिप्स

।। महत्वपूर्ण कविता।।

जब भी क्रोध आ जाये, तो वहीं रुक जाओ।
जब भी गल्ती हो जाये, तो वहीं झुक जाओ।।
चिता मुर्दे को जलाती है, चिन्ता जीते जी जलाती है।
जब भी चिन्ता सताये, तो तुम जरा वहीं टिक जाओ।। 1।।

दीपक जले न जले, तीली जलकर राख होती है।
जब भी क्रोधाग्नि जलाये, तो वहीं एकदम लुक जाओ।।2।।

चाहे क्रोध हो या गलती, ये दोनों ही सगे नहीं है।
हैं जो तेरे सगे संघाती, धर्म और सत्य में मिट जाओ।। 3।।

क्रोध और गलतियां, दोनों ही भयंकर हैं।
आचार्य सुफल इन्हें कहो, कि तुम दोनों ही मुक जाओ।।4।।

रचयिता
आचार्य सुफल (हांसी)
राष्ट्रीय वैदिक प्रवक्ता चण्डीगढ़
मोब-9416034759, 9466472375

कल कलेक्ट्रेट सभागार और वेंकटेश्वरा विवि में होगी वर्कशॉप

खास बात

11 सितम्बर को कृषि विज्ञान केंद्र गजरौला में होगी वर्कशॉप

आर्यावर्त केसरी ब्यूरो

अमरोहा। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विकसित भारत/2047 की परिकल्पना को साकार करने के उद्देश्य से समर्थ उत्तर प्रदेशः विकसित उत्तर प्रदेश/2047 अभियान संचालित किया जा रहा है। उपरोक्त जानकारी बुधवार को जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने दी।

जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने बताया है कि इस अभियान के अंतर्गत नागरिकों की सक्रिय भागीदारी एवं सुझावों के आधार पर प्रदेश को विकसित राज्य बनाने की दिशा में ठोस कार्ययोजना तैयार की

जाएगी।

उन्होंने बताया कि जिले में 11 एवं 12 सितंबर को तीन स्थानों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में औद्योगिक विकास, कृषि एवं पशुधन, पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन, अवसंरचना व नगर एवं ग्राम विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, आईटी, उभरती प्रौद्योगिकी, सुरक्षा एवं सुशासन आदि विषयों पर विशेष सत्र होंगे। जिलाधिकारी ने बताया कि संवाद कार्यक्रम में शासन द्वारा नामित सेवानिवृत्त आईएएस करन सिंह चौहान, सेवानिवृत्त विशेष महानिदेशक रणजीत सिंह, आचार्य चौ० चरण सिंह विवि मेरठ प्रो० मृदुल कुमार गुप्ता, सह निदेशक (सह० प्राध्यापक) सरदार बल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक वि०वि० डॉ० अरविन्द कुमार, सेवानिवृत्त मुख्य कार्यकारी अभियंता राजीव शर्मा और जनपद के नोडल अधिकारी एवं आवास आयुक्त डॉ0 बलकार सिंह उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रमों का आयोजन 11 सितंबर को कृषि विज्ञान केंद्र गजरौला में अपराह्न 03 बजे, 12 सितंबर को कलेक्ट्रेट सभागार में पूर्वाह्न 10 बजे और वेंकटेश्वरा विवि में दोपहर 12 बजे किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने बताया कि इन कार्यक्रमों में नोडल अधिकारी एवं जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहकर समन्वय स्थापित करेंगे। इस दौरान शिक्षक, व्यापारी, किसान, उद्यमी, श्रमिक संगठन, बैंकर्स, महिला समूहों, छात्र-छात्राएँ एवं आम जनमानस से संवाद स्थापित कर उनके अमूल्य सुझाव एवं फीडबैक प्राप्त किए जाएंगे। प्रबुद्धजनों से प्राप्त सुझावों एवं फीडबैक को संकलित कर शासन स्तर पर भेजा जाएगा, जिससे प्रदेश सरकार वर्ष 2047 तक उत्तर प्रदेश को विकसित राज्य के रूप में स्थापित करने के संकल्प की दिशा में ठोस रणनीति तैयार कर सके। जिले के इन कार्यक्रमों के माध्यम से विजन/2047 से जनसामान्य की सहभागिता सुनिश्चित कर समान, समृद्ध एवं आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के निर्माण की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम उठाया जाएगा।

दोस्त ने ही की थी जीशान की हत्या

आर्यावर्त केसरी ब्यूरो

हसनपुर। कस्बा उझारी में 5 दिन पूर्व हुई जीशान की हत्या का पुलिस ने खुलासा करने का दावा किया है। जीशान के दोस्त ने ही पुराने विवाद के चलते उसकी हत्या की थी। थाना सैदनगली के कस्बा उझारी में 6 सितंबर को इकोंदा रोड पर बंद पड़ी मैंथा फैक्ट्री के पास जीशान अहमद पुत्र अनीश अहमद का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा हुआ था। पास में हीं जीशान की बाइक पड़ी हुई थी। जीशान की हत्या में बिलाल पुत्र नईम मोहल्ला नौरंगाबाद कस्बा उझारी को नामजद किया गया था। पुलिस में मुखबिर की सूचना पर ग्राम मंगरोला के गंगा एक्सप्रेसवे के अंडरपास के नीचे से बिलाल को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने थाने लाकर जब बिलाल से कड़ाई के साथ पूछताछ की तो उसने सब कुछ उगल दिया। सीओ दीप कुमार पंत ने हत्या का खुलासा करते हुए बताया 4 माह पहले बिलाल का उसके दोस्त जीशान से विवाद हो गया था। कुछ समय उनका समझौता हो गया था। 5 सितंबर को दोस्त जीशान ने उसके साथ गाली गलौज की थी। उसने तभी फैसला कर लिया था कि जीशान से बदला लेना है। 6 सितंबर को उसने जीशान का खेल खत्म करने के लिए है पहले से ही झाड़ियां में लोहे का पाइप चैन स्पाकिट छुपा कर रख दिया था। जीशान को घुमाने के बहाने इकोंदा रोड पर मेंथा फैक्ट्री के पास ले गया। उसके बाद दोनों में शराब पी जब जीशान नशे में हो गया तो बिलाल ने लोहे का पाइप चैन स्पाकिट से हमला बोलकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस सीसीटीवी कैमरों एवं सर्विलांस की मदद से जीशान की हत्या का खुलासा कर दिया। पुलिस ने आरोपी का चालान कर दिया।

पीड़ित को लाठी डंडों से जमकर पीटा

आर्यावर्त केसरी ब्यूरो

हसनपुर। तहसील के सैदनगली थाना क्षेत्र के गांव में मामूली कहासुनी के बाद दबंगों ने पीड़ित को लाठी डंडों से जमकर पीट दिया। वहीं पुलिस ने मेडिकल के लिए भेज दिया है।

दरअसल, बुधवार को सैदनगली थाना क्षेत्र के गांव बेगपुर मुंडा निवासी उमेश पुत्र डाले सिंह का आरोप है कि उसकी तिगरी में कुछ कहासुनी हो गई थी। जिसके बाद आज वह सुबह अपने धानों के खेत से घर को लौट रहा था। जहां पहले से ही घात लगाए बैठे गांव निवासी नवनीत समेत दो अज्ञात लोगों ने लाठी डंडों से हमला बोल दिया। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया वहीं मामले की शिकायत पुलिस से की गई। जहां पुलिस ने घायल को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया और पुलिस अग्रिम कार्रवाई में जुटी हुई है।

अमोनिया गैस से भरे टैंकर ने 102 एंबुलेंस को मारी टक्कर

पलटने से बाल बाल बचा, खंदक में धंसा, एंबुलेंस क्षतिग्रस्त

खास बात

कई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद निकाला गया टैंकर

आर्यावर्त केसरी ब्यूरो

हसनपुर। कोतवाली क्षेत्र में रहरा मार्ग पर हथिया खेड़ा गांव के नजदीक शराबी को बचाने के चक्कर में एंबुलेंस के चालक द्वारा अचानक लगाये गये ब्रेक के कारण पीछे अमोनिया गैस से भरकर आ रहा टैंकर साइड मारकर खंदक में धंस गया। अमोनिया गैस का टैंकर खंदक में धसने की सूचना पर इलाके में हड़कंप मच गया। जिसके बाद मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। क्रेन की सहायता से टैंकर को कई घंटे की मशक्कत के बाद निकाला गया। जिससे दोनों साइड में वाहनों की लंबी कतारे लग गई।

बता दें कि मंगलवार की देर शाम गंगेश्वरी ब्लॉक क्षेत्र के गांव मेहरपुर से सरकारी एंबुलेंस मरीज को छोड़कर हसनपुर लौट रही थी। जब वह गांव हथियाखेड़ा गांव के समीप पहुंची तो अचानक उसके सामने एक शराबी आ गया। एंबुलेंस चालक ने शराबी को बचाने के लिए ब्रेक लगा दिये। जिससे पीछे अमोनिया गैस से भरकर आ रहे टैंकर के चालक सुरेंद्र पुत्र हरि सिंह निवासी हसनपुर ने अचानक बचने के लिए साइट ली तो वह सड़क से उतरकर किनारे खंदक में घुसने लगा। लेकिन चालक ने कोशिश करके नीचे उतरने से रोक लिया। जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। अमोनिया गैस बहुत ही खतरनाक होती है। यदि वह थोड़ी सी भी लीक हो जाती तो बड़ा हादसा घटित हो सकता था। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई। दो क्रेनों की सहायता से अमोनिया गैस से भरे टैंकर को कई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद निकाला गया। तब कहीं जाकर पुलिस ने राहत की सांस ली। टैंकर चालक सुरेंद्र ने बताया कि टैंकर बबराला से गजरौला जा रहा था।

इस संबंध में वरिष्ठ उप निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि क्रेनों की मदद से अमोनिया गैस से भरे टैंकर को कई घंटे की मशक्कत के बाद सकुशल निकाल लिया गया है।

सेल्समैन को पीटने के मामले में तीन खिलाफ मुकदमा

आर्यावर्त केसरी ब्यूरो

हसनपुर। रहरा थाना क्षेत्र के गांव भावली में एक सेल्समैन के साथ मारपीट और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

दरअसल, यह घटना 8 सितंबर की है, जब मनोज नाम के एक बिजली कर्मी अपने दो साथियों, ओमप्रकाश और मोहित कुमार के साथ गांव में बिजली मीटर की रीडिंग ले रहे थे। इसी दौरान, वे आरोपी राजेश, प्रीतम और उमेश के घर पर रीडिंग लेने पहुँचे, जहाँ रीडिंग को लेकर उनका आरोपियों से विवाद हो गया। बहस करते हुए वे गांव में स्थित डॉक्टर राजेंद्र की दुकान के पास आ गए।

इसी बीच मनोज के रिश्तेदार गांव भावली निवासी कोशिंदर भी वहाँ पहुँच गए। जब कोशिंदर ने मनोज को गाली-गलौज करने से मना किया, तो आरोपी राजेश, उमेश और प्रीतम ने उनके साथ जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। इसके बाद विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपियों ने कोशिंदर पर ईंट, पत्थर, लात-घूँसे और लाठियों से हमला कर दिया। उन्होंने पीड़ित को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा, जिसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। पीड़ित कोशिंदर की शिकायत के आधार पर, पुलिस ने आरोपी राजेश, प्रीतम और उमेश के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

इस संबंध में रहरा थानाध्यक्ष अतवीर सिंह ने बताया कि दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

सरदार बेगम मेमोरियल कॉलेज में टैबलेट का वितरण

पालिकाध्यक्ष ने छात्र एवं छात्राओं को भेंट किए टैबलेट

खास बात

शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी तकनीक : पालिकाध्यक्ष

आर्यावर्त केसरी ब्यूरो

हसनपुर। सरदार बेगम मेमोरियल पीजी कॉलेज में छात्रों को फोन टैबलेट वितरित किए गए। इस मौके पर आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर हसनपुर नगर पालिका के अध्यक्ष राजपाल सैनी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत में कॉलेज की प्रिंसिपल मल्लिका निजामी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इसके बाद कॉलेज प्रबंधन की तरफ से छात्रों को उच्च शिक्षा में मदद के लिए फोन टैबलेट दिए गए।

मुख्य अतिथि पालिकाध्यक्ष राजपाल सैनी ने अपने भाषण में कहा कि आज के समय में तकनीक शिक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। ऐसे संसाधनों से गाँव और शहर, दोनों जगहों के छात्रों को समान रूप से लाभ मिलेगा। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे इन टैबलेट का इस्तेमाल सिर्फ पढ़ाई और अच्छे कामों के लिए ही करें। राजपाल सैनी ने कॉलेज के लिए एक पेयजल की व्यवस्था करने की भी घोषणा की। कॉलेज के चेयरमैन हाजी शहजाद खान ने बताया कि कॉलेज का हमेशा से यही लक्ष्य रहा है कि विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा और बेहतर सुविधाएं मिलें, ताकि वे बदलते समय के साथ आगे बढ़ सकें। मैनेजिंग डायरेक्टर खुर्रम आजाद खान और डायरेक्टर दानिश खान ने छात्रों को कड़ी मेहनत से पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आने वाला समय डिजिटल युग का है और इसमें सफल होने के लिए छात्रों को तकनीक में भी कुशल बनना होगा।

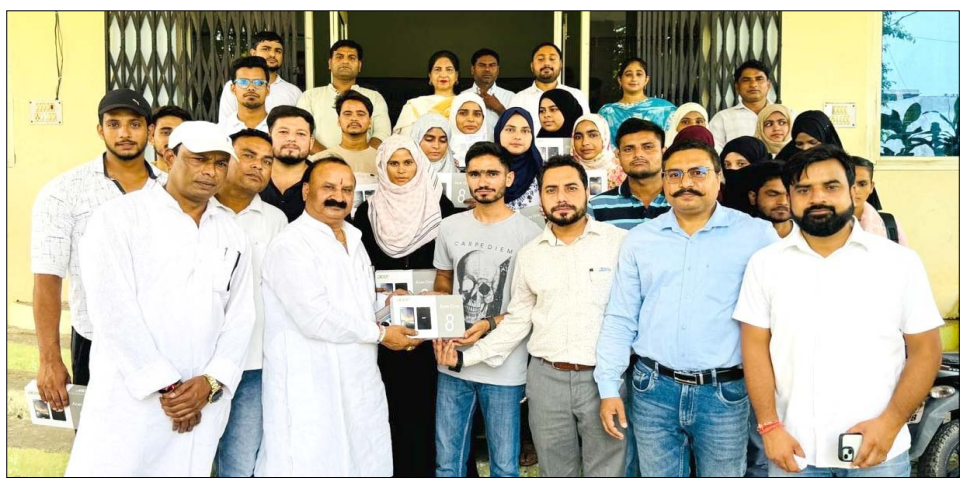

प्रिंसिपल मल्लिका निजामी ने कहा कि ये टैबलेट सिर्फ पढ़ाई में ही नहीं, बल्कि प्रतियोगी परीक्षाओं और शोध कार्यों में भी छात्रों के लिए बहुत मददगार साबित होंगे। कार्यक्रम के आखिर में कॉलेज प्रबंधन ने सभी अतिथियों का धन्यवाद किया। टैबलेट पाकर छात्रों में काफी खुशी और उत्साह का माहौल देखा गया।

इस दौरान भाजपा नेता संजय सहदेव, इशांत सैनी, संजीव सैनी, शहजाद, दानिश, कैफ एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

अज्ञात लिंक पर क्लिक करने से बचें : अतवीर सिंह चौहान

साइबर अपराध पर छात्राओं को दी गई महत्वपूर्ण जानकारी

खास बात

1930 पर कॉल करके दर्ज करा सकते हैं अपनी शिकायत

आर्यावर्त केसरी ब्यूरो

रहरा। चौधरी बिहारी सिंह त्यागी कन्या इंटर कॉलेज में बुधवार को थानाध्यक्ष अतवीर सिंह चौहान ने छात्राओं को साइबर अपराध और महिला सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय प्रबंधन ने किया। जहाँ छात्राओं और शिक्षकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरूआत में विद्यालय के डायरेक्टर ब्रहमदत्त त्यागी ने थानाध्यक्ष अतवीर सिंह चौहान का माल्यार्पण कर हार्दिक स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने पुलिस प्रशासन के प्रयासों की सराहना की और छात्राओं की सुरक्षा के लिए उठाए जा रहे कदमों को महत्वपूर्ण बताया।

थानाध्यक्ष अतवीर सिंह चौहान ने छात्राओं को संबोधित करते हुए साइबर अपराध के विभिन्न रूपों जैसे ऑनलाइन धोखाधड़ी, फिशिंग और सोशल मीडिया के दुरुपयोग के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी अज्ञात लिंक पर क्लिक करने या अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से बचें। श्री चौहान ने यह भी बताया कि यदि कोई साइबर धोखाधड़ी का शिकार होता है, तो वे तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करके शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

इस दौरान सुरेंद्र सिंह, श्यामसुंदर मौर्य, राजपाल सिंह, पारस मलिक, मनीष कुमार, मुनीम कुमार, रेखा सिंह, पूजा शर्मा, शोभा त्यागी, अमित कुमार, दीपक कुमार, रामफल सिंह सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

महिला सुरक्षा के लिए टोल-फ्री नंबर

साइबर सुरक्षा के साथ-साथ थानाध्यक्ष अतवीर सिंह चौहान ने महिला सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान दिया। उन्होंने छात्राओं को टोल-फ्री नंबर 1090 की जानकारी दी, जिसका उपयोग महिलाएं किसी भी तरह की उत्पीड़न या असुरक्षा की स्थिति में कर सकती हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि इस नंबर पर की गई हर शिकायत पर तुरंत और गोपनीय कार्रवाई की जाएगी।

सड़क हादसे में 22 वर्षीय युवक की मौत

आर्यावर्त केसरी ब्यूरो

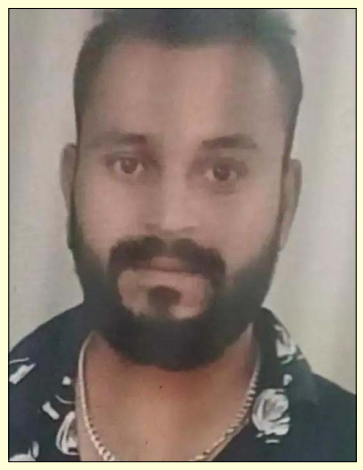

गजरौला। थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। गजरौला खाद गुर्जर मार्ग पर दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में मोहल्ला मायापुरी निवासी (22 वर्षीय) आकाश की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, आकाश पुत्र रामशंकर अपनी बाइक से खाद गुर्जर मार्ग की ओर जा रहा था। इसी दौरान गांव शहवाजपुर माफी के पास सामने से आ रही दूसरी बाइक से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। हादसा इतना भीषण था कि आकाश ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद दूसरा बाइक सवार मौके से फरार हो गया। राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार ने बताया कि मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है। तहरीर मिलने पर आगे की जांच और कार्रवाई की जाएगी।

सईदा के लिए सलीम व शुभम ने किया रक्तदान

आर्यावर्त केसरी ब्यूरो

रजबपुर। आपसी प्रेम और सौहार्द को बढ़ावा देने का प्रेरक उदाहरण बुधवार को सामने आया। जब ऑल इंडिया पायामे इंसानियत फोरम ब्लड डोनर ग्रुप की सक्रियता से एक महिला की जिंदगी बचाई गई। जानकारी के अनुसार, हसनपुर मोहल्ला काला शहीद निवासी सईदा खातून को गंभीर हालत में श्री वेंक्टेशरा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। उन्हें तत्काल दो यूनिट बी पॉजिटिव रक्त की जरूरत थी। इस सूचना के मिलते ही रजबपुर निवासी सलीम सलमानी ने और जगुआ निवासी शिवम चौधरी बिना देर किए आगे आकर रक्तदान किया और मानवता की अनूठी मिसाल पेश की। उनका यह कदम न सिर्फ एक जीवन बचाने वाला साबित हुआ, बल्कि समाज में इंसानियत और सेवा की भावना को भी मजबूत कर गया। इस कार्य में गुलरेज कासमी, डॉ0 साकिब खान और उनकी टीम की तत्परता भी सराहनीय रही, जो लगातार रक्तदान और जनसेवा के प्रति समाज में जागरूकता फैलाने का काम कर रहे हैं।

रक्तदान जैसे पुनीत कार्य न केवल जरूरतमंदों की जान बचाते हैं, बल्कि समाज में भाईचारा और सौहार्द को भी बढ़ावा देते हैं। ऐसे प्रयास सबके लिए प्रेरणा का स्रोत हैं और यही इंसानियत की असली पहचान है।

भागवत कथा में सुनाया श्रीकृष्ण जन्मलीला का प्रसंग

आर्यावर्त केसरी ब्यूरो

अमरोहा। व्यक्ति को अहंकार नहीं करना चाहिए, अहंकार बुद्धि और ज्ञान का हरण कर लेता है। अहंकार ही मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है। मधुरम बैंक्विट हॉल में चल रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा आयोजन के चौथे दिवस कथा वाचक प्रेरणा ज्योति दीदी ने यह बात कही। उन्होंने श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का प्रसंग सुनाया। श्रीकृष्ण की जन्म कथा का प्रसंग सुनकर श्रद्धालु भाव विभोर हो उठे। प्रेरणा ज्योति दीदी ने बताया कि जब अत्याचारी कंस के पापों से धरती डोलने लगी, तो भगवान कृष्ण को अवतरित होना पड़ा। सात संतानों के बाद जब देवकी गर्भवती हुई, तो उसे अपनी इस संतान की मृत्यु का भय सता रहा था। भगवान की लीला वे स्वयं ही समझ सकते हैं। भगवान कृष्ण के जन्म लेते ही जेल के सभी बंधन टूट गए और भगवान श्रीकृष्ण गोकुल पहुंच गए। ज्योति दीदी ने कहा कि जब-जब धरती पर धर्म की हानि होती है, तब-तब भगवान धरती पर अवतरित होते हैं। जैसे ही कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ पूरा पंडाल जयकारों से गूंजने लगा। इस अवसर पर उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न बाल लीलाओं का वर्णन किया। कथा महोत्सव में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भजन गाकर भगवान श्री कृष्ण के जन्म की खुशियां मनाई। इस दौरान शशि जैन, राजेंद्र यादव, राजकमल यादव, लव खंडेलवाल, लीलाधर अरोड़ा, लखन रधुवंशी, रोहित शर्मा, भावना गुप्ता, पन्नालाल आदि मौजूद रहे।

पुरुषोत्तम शरण में धूमधाम से मना शिक्षक दिवस समारोह

खास बात

सभी शिक्षकों और शिक्षिकाओं को मिला सम्मान और पुरस्कार

आर्यावर्त केसरी ब्यूरो

हसनपुर। नगर के पुरुषोत्तम शरण राममूर्ति सरस्वती कन्या इंटर कॉलेज में शिक्षक दिवस का समारोह बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आरंभ मां सरस्वती के सामने दीप जलाकर और महान शिक्षाविद डॉ0 सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर फूलमाला चढ़ाकर किया गया। इस मौके पर छात्राओं ने एक सुंदर स्वागत गीत प्रस्तुत किया और कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किए, जिसने सभी का मन मोह लिया।

इस विशेष अवसर पर इनरव्हील क्लब की अध्यक्षा आरती गुप्ता और उनकी टीम ने सभी शिक्षकों और शिक्षिकाओं को सम्मान और पुरस्कार दिए। इसके अलावा, विद्यालय की प्रबंधक दीपाली अग्रवाल, अध्यक्षा रेनू अग्रवाल, और कोषाध्यक्ष नीलिमा गोयल ने भी सभी शिक्षकों को सम्मानित किया, उनके योगदान की सराहना की। इस समारोह में डॉ. ममता गुप्ता ने छात्राओं को उनके स्वास्थ्य के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी, ताकि वे आज के समय में खुद को सुरक्षित और स्वस्थ रख सकें। विद्यालय की प्रधानाचार्या अंकिता शर्मा ने सभी छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि गुरु वह है। जो शिष्य को अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता है। उन्होंने कहा कि गुरु ज्ञान का दीपक है, जो खुद जलकर छात्रों के जीवन को रोशन करता है।

इस दौरान इनरव्हील क्लब की अध्यक्षा आरती गुप्ता, सोनिया रस्तौगी, भावना गुप्ता, कविता अग्रवाल, मोनिका अग्रवाल, रेशू अग्रवाल, आंचल अग्रवाल, प्रधानाचार्या अंकिता शर्मा, नेहा रस्तौगी, नीतू, आंचल अल्बर्ट, प्रियांशी सारस्वत, मुक्ता सारस्वत, निशा, अशोक कुमार, अनुज कसाना मौजूद रहे।

सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन चुनाव नामांकन प्रक्रिया संपन्न

आर्यावर्त केसरी ब्यूरो

हसनपुर। नगर के सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन के वर्ष 2025-26 के चुनाव की सरगर्मी तेज हो गई है। जहाँ नौ सितंबर को प्रातः ग्यारह बजे नामांकन प्रक्रिया औपचारिक रूप से प्रारंभ हुई। बुधवार को वरिष्ठ अधिवक्ता एवं समिति अध्यक्ष चुनाव अधिकारी अरविंद कुमार गुप्ता एडवोकेट ने जानकारी दी कि विभिन्न पदों के लिए नामांकन प्राप्त हुए हैं। जिसमें अध्यक्ष पद हेतु नंदराम सिंह, सुनील कुमार शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद हेतु प्रमोद कुमार शर्मा, सतेंद्र पाल सिंह एवं महासचिव पद के लिए अंशू त्यागी, सुमन सिंह चौहान तथा कोषाध्यक्ष पद के लिए कुलभूषण सक्सेना, मोहम्मद जावेद एवं सतबीर सिंह ने नामांकन कराया है। जहां उपाध्यक्ष पद हेतु केवल एक नामांकन पंकज कुमार और उप सचिव प्रशासन हेतु नाजिर खान ने नामांकन कराया। जिसमें नामांकन पत्रों की वापसी हेतु तिथि ग्यारह सितंबर निर्धारित की गई है। इसी दिन अपराह्न नामांकन पत्रों की जांच उपरांत चार बजे प्रत्याशियों की अंतिम सूची जारी की जाएगी। प्रत्याशियों की अंतिम प्रकाशित सूची के आधार पर अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, महासचिव एवं कोषाध्यक्ष पदों पर मतदान बारह सितंबर को प्रात दस बजे से अपराह्न तीन बजे तक अधिवक्ता परिसर वाह्य न्यायालय सिविल कोर्ट में संपन्न होगा। जहां मौके पर सहायक चुनाव अधिकारी भूदेव सिंह राणा एडवोकेट भी उपस्थित रहे। चुनाव प्रक्रिया की शुरूआत के साथ ही अधिवक्ता समुदाय में चचाओं और हलचल का दौर तेज हो गया है। प्रत्याशी और समर्थक सक्रिय हो चुके हैं तथा चुनावी माहौल पूरी तरह से सरगर्म हो उठा है।

10 महीने की शादी के बाद नवविवाहिता का शव गंगा में फेंका

थाना पुलिस ने रीना के पति, देवर और जेठ को किया गिरफ्तार

खास बात

मेहरपुर बंसी वाला निवासी निगम से हुई थी रीना की शादी

आर्यावर्त केसरी ब्यूरो

हसनपुर। रहरा थाना क्षेत्र में 10 महीने पहले शादी के बंधन में बंधी 21 वर्षीय रीना की बेरहमी से हत्या कर दी गई। आरोप है कि ससुराल वालों ने दहेज के लिए उसकी जान ले ली और शव को चादर में लपेटकर गंगा में फेंक दिया। पुलिस ने इस मामले में रीना के पति, देवर और जेठ को गिरफ्तार कर लिया है।

रीना की शादी 10 महीने पहले मेहरपुर बंसी वाला निवासी निगम से हुई थी। 20 अगस्त को उसके पति निगम ने पुलिस में रीना की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें उसने दावा किया था कि रीना घर से भाग गई है। पुलिस ने 21 अगस्त को गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस क्षेत्राधिकारी दीप कुमार पंत ने बताया कि जांच के दौरान पता चला कि रीना की हत्या उसके ससुराल वालों ने ही की है। सख्ती से पूछताछ करने पर पति निगम ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने पुलिस को बताया कि 20 अगस्त की रात वह घर पर शराब और चिकन लेकर आया था। रीना के चिकन खाने से मना करने पर दोनों में झगड़ा हुआ। निगम ने दावा किया कि देर रात करीब 1:30 बजे रीना ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

निगम ने बताया कि रीना की मौत के बाद उसने अपने सगे तहेरे भाई, जेठ और सास ससुर के साथ मिलकर शव को एक चादर में बांधा, उसमें मिट्टी भरी और गंगा में फेंक दिया। पुलिस ने इस खुलासे के बाद पति निगम, जेठ महकार सिंह, देवर विजेंद्र, ससुर सुरेश और सास कुंता के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज किया। हालांकि विवाहिता का शव अभी बरामद नहीं हुआ है। बुधवार को पुलिस ने आरोपी पति निगम, जेठ महकार और तेरे भाई देवर विजेंद्र को गिरफ्तार कर लिया। तीनों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है और फरार ससुर और सास की तलाश जारी है। वहीं, कोकापुर निवासी हो राम सिंह ने अपनी बहन का शव बरामद कराने की पुलिस से मांग की है।

सभासदों ने अमरोहा पालिका को नगर निगम बनाने की उठाई माँग

खास बात

बोले सभासद, अमरोहा को मिल चुका है स्मार्ट सिटी का दर्जा

आर्यावर्त केसरी ब्यूरो

अमरोहा। अमरोहा पालिका के सभासदों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन अपर जिलाधिकारी गरिमा सिंह को सौंपा।

ज्ञापन में मांग की है कि अमरोहा को स्मार्ट सिटी का दर्जा तो मिल चुका है। उन्होने मांग की है कि अमरोहा पालिका को नगर निगम का दर्जा दिया जाये। नगर निगम का दर्जा मिलते ही विकास की रफ्तार बढ़ेगी और शहर को नई पहचान मिलेगी। ज्ञापन में कहा गया है कि वर्तमान में अमरोहा में जनसंख्या, बुनियादी सुविधाओं और सौंदर्यीकरण के लिए जो आवश्यकताएँ हैं। उन्हें पूरा करने के लिए नगर निगम का दर्जा बेहद जरूरी हो गया है।

उन्होंने कहा कि नगर निगम बनने पर वित्तीय संसाधन, प्रशासनिक स्वायत्तता और योजनाओं के लिए बेहतर प्रबंधन संभव होगा। जिससे शहर के हर क्षेत्र में व्यापक सुधार होंगे। नगर निगम बनने से सड़क, पानी, साफ-सफाई, स्वच्छता और स्वास्थ्य सुविधाओं में बड़े पैमाने पर सुधार होगा। इसके साथ ही गंदगी और ट्रैफिक जैसी समस्याओं का समाधान भी बेहतर तरीके से किया जा सकेगा। उन्होंने अपर जिलाधिकारी से अनुरोध किया कि वे उनकी मांग को मुख्यमंत्री तक पहुंचाएं और जल्द से जल्द अमरोहा को नगर निगम घोषित करने की पहल करें।

इस दौरान सभासद विक्की टंडन, देवेश कुमार, अंकित गुप्ता, संगीता चौहान, फहीम शाहनवाज, अभिमन्यु, यशपाल सिंह, मीना, ममता सैनी, बंटी, आमिर आफताब, रूकसाना परवीन, चरन सिंह, रेशमा, रोहित, सुआलेहा आदि मौजूद रहे।

फोटोग्राफरों की समस्याओं पर हुई चर्चा

आर्यावर्त केसरी ब्यूरो

अमरोहा। ऑल प्रोफेशनल फोटोग्राफर सोसिएशन (रजि0) उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में बुधवार को द्वितीय सम्मान सम्मेलन हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। ऑल प्रोफेशनल फोटोग्राफर एसोसिएशन (रजि0) फोटोग्राफर भाइयों के साथ होने वाली समस्याओं के मुख्य उद्देश्यों के साथ विषय में चर्चा हुई। जिसमें कैमरे की नई तकनीक, ड्रोन, शादी समारोह में फोटोग्राफरों के साथ होने वाली घटना हर्ष फाईरिंग व अभद्र व्यवहार, गाली-गलोच, पेमेंट इत्यादि।

इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष विकास कुमार, प्रदेश महासचिव मिंटू सैनी, प्रदेश कोषाध्यक्ष अनिल कुमार, जिलाध्यक्ष बृजपाल सिंह, सत्यप्रकाश सिंह, जय प्रकाश, सत्य प्रकाश, जेपी मौर्य आदि मौजूद रहे।

आखिर कब तक शर्माते रहोगे?
भरपूर तनाई व शक्ति के लिए आज ही
सिकन्दर-ए-आज़म कैप्सूल का इस्तेमाल करें।
हर मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध है।
शर्तियां इलाज के लिए तुरन्त सम्पर्क करें
हाशमी दवाखाना
काजीजादा, अमरोहा (उ0प्र0) मो. 09997161320, 09997161317

राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री बने विजय पारछा

आर्यावर्त केसरी ब्यूरो

हसनपुर। राष्ट्रीय दलित पिछड़ा वर्ग भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष मास्टर प्रदीप सिरसवाल ने संगठन को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उन्होंने सामाजिक कार्यों में सराहनीय योगदान देने वाले विजय पारछा को राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री के पद पर मनोनीत किया है। यह नियुक्ति पारछा के समाज सेवा के प्रति समर्पण और प्रशंसनीय कार्यों को देखते हुए की गई है।

मास्टर प्रदीप सिरसवाल ने विजय पारछा को यह जिम्मेदारी सौंपते हुए निर्देश दिया है कि वे अपने पद की गरिमा बनाए रखें और संगठन का विस्तार करें। उनसे अपेक्षा की गई है कि वे ऐसे क्षेत्रों में नए पदाधिकारियों की नियुक्ति करें, जहां अभी संगठन की कोई इकाई नहीं है। इसके अलावा, उन्हें उन जगहों पर भी नई शाखाओं का गठन करने का काम सौंपा गया है, जहां अभी तक कोई शाखा नहीं है। इस प्रक्रिया को सुचारु बनाने के लिए पारछा को निर्देश दिया गया है कि वे नियुक्त किए गए हर नए पदाधिकारी का नाम, पता, मोबाइल नंबर और पिन कोड सहित राष्ट्रीय कार्यालय को लिखित में सूचित करें। संगठन ने यह भी स्पष्ट किया है कि किसी भी नए सदस्य को जोड़ने से पहले उसे राष्ट्रीय दलित पिछड़ा वर्ग भारत के कुटुंब ऐप से जोड़ना अनिवार्य है। यह कदम संगठन में पारदर्शिता और जुड़ाव सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। विजय पारछा की यह नियुक्ति संगठन को और अधिक सशक्त बनाने और समाज के वंचित वर्गों के लिए काम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल मानी जा रही है।

दैनिक आर्यावर्त केसरी

कार्यालय
सौम्या सदन, गोकुल विहार,
अमरोहा (उ0प्र0) 244221
सम्पर्क - 8755268578
E-Mail : aryawartkesari@gmail.com

एडिटर-इन-चीफ
डॉ अशोक कुमार रस्तगी
मो0 - 9412139333

प्रबन्ध सम्पादक
डॉ बीना रस्तगी
मो0 - 9897234053

साहित्य सम्पादक
बृजेन्द्र सिंह 'वत्स'
मो0- 9027086311

ब्यूरो चीफ
पं0 देवेश शर्मा
मो0- 9627520776

डिस्ट्रिक्ट इंचार्ज
(अमरोहा)
डॉ. नबाब उद्दीन सिद्दीकी
मो0 - 9412665228

डिवीजनल हेड
डॉ0 ब्रजेश चौहान
मो0-9758703020

समाचार-विश्लेषक
पं0 चन्द्रपाल यात्री
मो0-8433054449

जिला प्रभारी
(बिजनौर)
इन्तेखाबुर्रहमान
मो0- 8433202434

तहसील प्रभारी-नजीबाबाद
नरेन्द्र सिंह
मो0- 8868059485

डिस्ट्रिक्ट इंचार्ज
(सम्भल)
डॉ0 तुमुल विजय शास्त्री
मो0-8630138460

प्रतिनिधि-चन्दौसी
विश्व विजय
मो0-9411807998

तहसील प्रभारी-हसनपुर
पवन कुमार
मो0- 9756443501

प्रतिनिधि-अमरोहा
चित्रा गोयल
मो0-7017448224
मो0- 9149346363

प्रतिनिधि-गजरौला
कपिल चावला
मो0- 8958873748

प्रतिनिधि-नौगावां सादात
भीष्म सिंह
मो0- 9627337945

प्रतिनिधि-ढबारसी/आदमपुर
महीपाल सिंह राणा
मो0- 6395704829

प्रतिनिधि-उझारी
बिलाल बाकरी
मो0- 7454838717

कानूनी सलाहकार
आर.एन. सक्सैना (एड.)
मो0 - 7906412729
रईस उद्दीन (एड.)
मो0 - 8909481128

डिजाइन एंड कम्पोजिंग
विकास अग्रवाल
मो0 7906379769
इशरत अली
मो0 9368025856

अप्रतिनिधित्व वाले क्षेत्रों में प्रतिनिधियों की आवश्यकता है। शीघ्र संपर्क करें।

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद अमरोहा जनपद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

नोट: समाचार पत्र में दिये गये सभी पद अवैतनिक हैं।

हौसलो की उड़ान

अटखेलिया खाती रही, स्वयं को सुलाती रही,
चुप रह कर हर बारिकी, जहऩ में बसाती रही,
टूटने ना दिया हौसला अपना,खुद में विश्वास जगाती रही,
उठाके कलम एक दिन अपना जीवन का हर एक लम्हा सजाती रही,
सोचा था एक दिन इन मोतियो को कोई तो जोहरी परखेगा,
यही सोचकर विचारों की विचारधारा बनाती रही,
वक्त़ ने करवत ऐसी ली जिन्दगी मेरी पूरी बदल दी,
सुनहरी अवसरों में नाम मेरा हो गया,
जमाना लेख का दिवाना हो गया,
तरक्की की सीढ़ी स्वयं में चढ़ती गई

बीना, मेरठ

शिक्षक एमएलसी चुनाव के लिए कांग्रेस ने कसी कमर

आर्यावर्त केसरी ब्यूरो

हापुड़। मेरठ के चैंबर ऑफ कॉमर्स में बुधवार को कांग्रेस की एक मंडल स्तरीय बैठक हुई। जहाँ उत्तर प्रदेश में होने जा रहे शिक्षक/स्नातक विधान परिषद चुनाव हेतु चर्चा की गई। साथ ही जिलाध्यक्षों और कॉर्डिनेटरों से सुझाव मांगे गए।

हापुड़ से कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी ने अपनी कमेटी के पदाधिकारियों के साथ मंडल स्तरीय बैठक में हिस्सा लिया और शिक्षक प्रकोष्ठ के कॉर्डिनेटर अमित कुमार राय का फूल माला पहनाकर स्वागत किया। शिक्षक प्रकोष्ठ के कॉर्डिनेटर अमित कुमार राय ने बताया कि ये चुनाव मैनेजमेंट का चुनाव हैं। बिना मैनेजमेंट के हम लोग चुनाव नहीं जीत सकते। उन्होंने कहा कि जब हम लोग जिला पंचायत का चुनाव लड़ रहे हैं, तो विधान परिषद का चुनाव भी मजबूती और पूरे मैनेजमेंट के साथ लड़ना चाहिए।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी ने कहा हैं कि अगर हम लोगों को विधान परिषद का चुनाव जीतना हैं तो अपने आत्म विश्वास और मैनेजमेंट के बल पर ही उत्तर प्रदेश में विधान परिषद का चुनाव जीत सकते हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग एमएलसी स्नातक का चुनाव लड़ना चाहते हैं वे अपना आवेदन पार्टी के जिलाध्यक्षों को दें। उन्होंने विश्वास दिलाया हैं कि पार्टी जिस किसी को भी एमएलसी का टिकट देगी। संगठन उन्हें पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ाएगा। राकेश त्यागी ने आह्वान किया हैं कि जिन लोगों ने स्नातक उत्तीर्ण कर लिया हैं, वे लोग एमएलसी चुनाव में हिस्सा लेने के लिए फॉर्म भरकर अपनी वोट बनवा सकते हैं। जिसकी प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी हैं। अगले साल 2026 में उत्तर प्रदेश में विधान परिषद के चुनाव होने जा रहे हैं। जिसके लिए कांग्रेस ने कमर कसी हुई हैं। हम लोगों को बूथ स्तर पर जाकर स्नातक उत्तीर्ण लोगों की वोट ज्यादा से ज्यादा संख्या में बनवाने का काम करना हैं।

इस दौरान पूर्व विधायक गजराज सिंह, जिला उपाध्यक्ष विक्की शर्मा, जिला कोषाध्यक्ष भरतलाल शर्मा, जिला महासचिव कपिल शर्मा, गौरव गर्ग आदि पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

बिजनौर में गूँजी विकसित भारत/2047 की गूंज

आर्यावर्त केसरी ब्यूरो

बिजनौर। विकसित भारत/2047 अभियान के तहत विवेक विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित कार्यशाला में जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कहा कि प्रधानमंत्री की यह दूरदर्शी पहल भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के संकल्प के अनुरूप उत्तर प्रदेश को विकसित राज्य बनाने के लिए तीन थीमकृ अर्थ शक्ति, सृजन शक्ति और जीवन शक्ति व 12 सेक्टरों पर आधारित विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया जा रहा है। डीएम ने नागरिकों से फत कोड पोर्टल के माध्यम से अधिक से अधिक सुझाव देने की अपील की।

कार्यशाला में शासन से नामित प्रबुद्धजन सुधीर कुमार सेवानिवृत्त आईपीएस, हृदय शंकर सिंह सेवानिवृत्त प्रोफेसर, चौ0 चरण सिंह विश्वविद्यालय और राजीव जैन सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता ने कृषि, औद्योगिक विकास, मत्स्य व पशुधन आदि क्षेत्रों पर विस्तृत चर्चा की।

इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी पूर्ण बोरा, जिला विकास अधिकारी रचना गुप्ता, उप कृषि निदेशक घनश्याम वर्मा, उपायुक्त उद्योग अमित कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक जयकरन यादव, समाज कल्याण अधिकारी जागेश्वर सिंह समेत उद्यमी, कृषक, महिला समूह, शिक्षक और मीडिया प्रतिनिधि मौजूद रहे।

धारीवाल की धार... भावों का भंडार

मेरे मनोभावों का संदेश

.....
कौन करे
.....
जहाँ धन की बातें होती हों,
भगवान की बातें कौन करे।

जहाँ स्वार्थ पनपता हो रज में,
इंसान की बातें कौन करे।

जब कुर्सी दौड़ में हो शामिल,
ईमान की बातें हैं कौन करे।

जब शिक्षक ही अज्ञानी हो,
फिर ज्ञान की बातें कौन करे।

जब सन्यासी ही लोभी हो,
तो ध्यान की बातें हैं कौन करे।

अपमान जहाँ की रीति हो,
वहाँ मान की बातें कौन करे।

जहाँ धन की बातें होती हों,
भगवान की बातें कौन करे।

वरण किया जब कायरता का,
वहाँ शान की बातें कौन करे।

जहाँ जन्म मरण का चक्र ना हो,
शमशान की बातें हैं कौन करे।
.....
जगह रक्त जल बहे रगों में,
बलिदान की बातें कौन करे।

जब पतन ही अपने हाथों हो,
उत्थान की बातें कौन करे।

जहाँ धन की बातें होती हों,
भगवान की बातें कौन करे।

जब हिम्मत ना हो उड़ने की,
आसमान की बातें कौन करे।

जब जिज्ञासा ही जन्म ना ले,
विज्ञान की बातें कौन करे।

हों आँख में आँसू भरे हुए,
मुस्कान की बातें कौन करे।

जहाँ लेना ही लेना सीखा हो,
वहाँ दान की बातें कौन करे।

अमृत ही जहाँ पीने को मिले,
मधपान की बातें कौन करे।

अंतर मन में हो संतोष भरा,
धन-धान्य की बातें कौन करे।

जहाँ धन की बातें होती हों,
भगवान की बातें कौन करे।

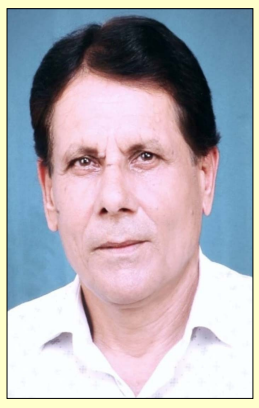

गीतकार
सतेन्द्र धारीवाल 'धारी'
अमरोहा उत्तर प्रदेश।

भारत की एशिया कप टी20 में गेंदों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत

यूएई के खिलाफ गेंदबाजों का दिखा दम

एजेंसी समाचार

दुबई। यूएई की टीम 13.1 ओवर में सिर्फ 57 रन बना पाई जिसके जवाब में भारतीय टीम ने 4.3 ओवर यानी महज 27 गेंदों में एक विकेट पर 60 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली भारतीय टीम ने एशिया कप में धमाकेदार आगाज किया है। भारत ने यूएई को नौ विकेट से रौंदकर टूनार्मेंट में अपने अभियान की विजयी शुरूआत की है। इस मैच में भारतीय गेंदबाजों ने अपना दम दिखाया जिसके आगे यूएई के बल्लेबाज एक पल भी चुनौती पेश नहीं कर सके। यूएई की टीम 13.1 ओवर में सिर्फ 57 रन बना पाई जिसके जवाब में भारतीय टीम ने 4.3 ओवर यानी महज 27 गेंदों में एक विकेट पर 60 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारत के लिए अभिषेक शर्मा ने 16 गेंदों में 30 रन बनाए। वहीं, शुभमन गिल (20) और सूर्यकुमार यादव (7) नाबाद रहे। यूएई के लिए जुनैद सिद्दीकी ने एक विकेट झटका।

यूएई की टीम भारत के सामने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य नहीं रख सकी और कम स्कोर का पीछा करते हुए भारत ने आक्रामक शुरूआत की। भारत के लिए अभिषेक शर्मा के साथ शुभमन गिल पारी का आगाज करने उतरे। अभिषेक ने पारी की पहली ही गेंद पर छक्का लगाकर अपने इरादे जाहिर कर दिए। अभिषेक चौथे भारतीय बल्लेबाज हैं जिन्होंने टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की पहली गेंद पर छक्का लगाया है। अभिषेक से पहले रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल और संजू सैमसन ऐसा कर चुके हैं। अभिषेक यहीं नहीं रुके और उन्होंने तेज खेलना जारी रखा, लेकिन टीम को जीत दिलाने से पहले ही अपना विकेट गंवा बैठे। इसके बाद गिल और सूर्यकुमार ने भारत को पावरप्ले में ही जीत दिला दी। भारत ने इस तरह एशिया कप टी20 में गेंदों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत दर्ज कर ली है। उसने इस मामले में अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा है। टीम ने इससे पहले 2016 में यूएई के खिलाफ 59 गेंदें शेष रहते जीत दर्ज की थी, लेकिन टीम ने अब 93 गेंदें शेष रहते जीत हासिल कर ली।

भारत और यूएई के बीच एशिया कप के ग्रुप ए का मुकाबला महज 106 गेंदों पर ही समाप्त हो गया। यूएई की पारी 79 गेंदों पर सिमट गई, जबकि भारत ने लक्ष्य हासिल करने में 27 गेंदों का सहारा लिया। इस तरह दोनों पारियां मिलाकर 106 गेंदों पर मैच खत्म हो गया। यह चौथा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच है जो न्यूनतम गेंदों पर समाप्त हुआ है। इससे पहले 2014 में नीदरलैंड और श्रीलंका के खिलाफ मैच 93 गेंद, ओमान और इंग्लैंड के खिलाफ 2024 में हुआ मैच 99 गेंदों और नीदरलैंड और श्रीलंका के बीच 2021 में शारजाह में खेले गए मैच में सिर्फ 103 गेंद ही डल सकी थी।

राजीव कुमार शर्मा सीओ पद पर प्रोन्नति

आर्यावर्त केसरी ब्यूरो

बिजनौर। पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने थाना शिवालाकलां के प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार शर्मा को क्षेत्राधिकारी पद पर प्रोन्नत होने पर स्टार लगाकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर एसपी ने कहा कि प्रोन्नति मेहनत, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा का परिणाम है। उन्होंने आशा जताई कि शर्मा अपने नए पद पर भी पूरी निष्ठा और लगन से जनपद का नाम रोशन करेंगे।

हत्या प्रकरण में वांछित महिला गिरफ्तार

आर्यावर्त केसरी ब्यूरो

चांदपुर/बिजनौर। थाना चांदपुर पुलिस ने एक बड़ी कार्यवाही करते हुए मारपीट और हत्या से जुड़े प्रकरण में वांछित महिला अभियुक्ता को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार 16 जून 2025 को ग्राम बहमनशोरा निवासी इकबाल पुत्र इन्तेजार ने थाना चांदपुर में तहरीर दी थी कि संजाद, इस्लाम, रिहाना तथा अन्य अज्ञात व्यक्तियों ने घर में घुसकर लाठी-डंडों से हमला किया, जिसमें इकबाल के पिता इन्तेजार गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उपचार के दौरान 18 जून 2025 को उनकी मृत्यु हो गई।मामले में पूर्व में आरोपी इस्लाम को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा था, जबकि संजाद ने न्यायालय में आत्मसमर्पण किया था। अब पुलिस ने 10 सितंबर 2025 को अभियुक्ता रिहाना पत्नी इस्लाम निवासी ग्राम बहमनशोरा को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक जसवीर सिंह, महिला उपनिरीक्षक सुश्री अल्पना एवं कांस्टेबल रजनीश शामिल रहे।

प्रकाशक, मुद्रक, व स्वामी डॉ अशोक कुमार रूस्तगी द्वारा आर्यावर्त प्रिन्टर्स, सौम्या सदन, गोकुल विहार, अमरोहा से मुद्रित व कार्यालय- आर्यावर्त केसरी मुरादाबादी गेट, अमरोहा उ.प्र. (भारत)-244221 से प्रकाशित एवं प्रसारित सम्पादक-डॉ. अशोक कुमार रुस्तगी मोबाइल : 9412139333 E-mail : aryawarkesari@gmail.com